321

CIA–02

June – Examination 2020

Certificate in Ayurveda Examination

चिकित्सा विज्ञान एवं पञ्चकर्म

Paper : CIA-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

(अनिवार्य)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) चिकित्सक के **चार** गुण लिखिये।

   (ii) चतुष्पाद के नाम लिखिये।

   (iii) जलौका Leach कितने प्रकार की होती है ?

(iv) रसायन की परिभाषा लिखिये।

(v) व्याधि के पर्याय लिखिये।

(vi) कफ दोष निवारण हेतु कौनसा पंचकर्म करते हैं ?

(vii) वातदोष निवारण हेतु कौनसा पंचकर्म करते हैं ?

(viii) स्वेदन कर्म के दो लाभ लिखिये।

(ix) विटामिन 'सी' के स्रोत लिखिये।

(x) पंचनिदान के नाम लिखिये।

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2. विरेचन कर्म के लाभ लिखिये।

3. नाड़ी परीक्षा पर टिप्पणी लिखिये।

4. स्नेहन के लाभ लिखिये।

5. लंघन विधि का वर्णन कीजिये।

6. आहार का महत्त्व लिखिये।

7. रोग निदान के प्रकारों का उल्लेख कीजिये।

8. शिरोधारा एवं शिरोबस्ति के लाभ लिखिये।

9. अभ्यंग (मसाज) के प्रकार एवं लाभ लिखिये।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10. इम्यूनिटी का महत्त्व एवं रसायन की उपयोगिता का वर्णन कीजिये।

11. वात रोगों के निवारणार्थ 'बस्तिकर्म' की विधि एवं महत्त्व लिखिये।

12. रोग निवारण में आहार की उपयोगिता लिखिये।

13. पोषण की विधि एवं प्रकारों का वर्णन कीजिये।